>

Title : Need to make provision of funds for Disaster Management

Agencies and Tasks.

DR. KIRODI LAL MEENA (DAUSA): Section 48 of the Disaster Management Act 2005, provides for disaster response and disaster mitigation funds to be established at state and district level but there is no light thrown on the manner of constitution of these funds and their sources. The respective share of Central and State Government has not been specified nor is there any explanation on the status of Calamity Relief Fund after creation of such funds.

The DM act, 2005 poses many responsibilities on the State Government, but the mechanism of finance has not been spelt out. To carry out the multi-dimensional and integrated task spelled out in the DM Act, State Governments require suitable financial assistance.

The Ministry of Home Affairs, Government of India is, therefore, requested to consider making provision for funds in its policy guidelines itself.

उपाध्यक्ष महोदय : एक मिनट कृपया आप शांत रहें।

â€¦(व्यवधान)

14.01 Â½ hrs.

(*At this stage, Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table*)

उपाध्यक्ष महोदय : आप कृपया सीट पर जाएँ।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : एक मिनट सुनिये, मंत्री जी क्या बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Sir, on Friday, viz., 31 st July, 2009, our friends from the Trinamool Congress were assured that they would be given the opportunity to raise a very important matter in the Zero Hour. So, please give them a chance. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी को तो कुछ बोलने दीजिए। संसदीय कार्य मंत्री जी को तो बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): एक दो सवाल पूछने दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, उसको करते हैं। पहले मंत्री जी को तो बोलने दीजिए। वे कुछ बोलना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): मिनिस्टर के वक्तव्य के बाद कुछ प्रश्न पूछना चाहते थे...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी क्या बोलना चाहते हैं वह तो सुन लें।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उपाध्यक्ष महोदय, नियम 193 के तहत महंगाई पर चर्चा होनी है। इसलिए मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मुलायम सिंह जी को दो सवाल पूछ लेने दीजिए ताकि हम महंगाई पर चर्चा कर सकें। ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, बुंदेलखंड का सवाल जो हमने सुबह उठाया था, उसमें राज्य सभा में सरकार की तरफ से आश्वासन आया है। मैं चाहूँगी कि संसदीय कार्य मंत्री यहाँ भी हमें आश्वासन ो दें ताकि वह विषय भी समाप्त हो जाए। फिर हम महंगाई पर चर्चा कर सकते हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सदस्य बोल रहे हैं, बोलने का अधिकार तो है न उऩको?

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप सीधा सीधा सवाल पूछिये, भाषण नहीं कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव आप सदन को व्यवस्थित करिये। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप सीधा सीधा सवाल पूछिये, भाषण नहीं दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपर्ण सवाल है। बिजली का संकट है और बिजली के बिना देश का विकास नहीं हो सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सीधे प्रश्न पूछिए। बिजली का तो मामला है ही।

श्री मुलायम सिंह यादव : यही तो मामला है।

उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो बयान दिया था, उस पर मुझे बोलना था, लेकिन क्यों नहीं बोलने दिया गया, यह मुझे पता नहीं है? सत्ता पक्ष की तरफ से नहीं बोलने दिया गया। मैं केवल बोल सकता था, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया। अभी पेट्रोलियम मंत्री जी ने जो बयान दिया था, उसका कोई मतलब नहीं है। असली तथ्यों को छिपाने की कोशिश की गयी है। सच्चाई यह है कि आज पेट्रोलियम मंत्री ने ... *...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप प्रश्न पूछिए। यह तो डिटेल हो गयी, इसमें बहुत समय चला जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

---

* Not recorded

श्री मुलायम सिंह यादव उपाध्यक्ष महोदय, जब यूपी में हमारी सरकार थी, तब दादरी में 3750 मेगावाट बिजली पैदा करने वाला प्लांट, जो केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और पूरे उत्तर भारत में बिजली की समस्या का समाधान करने का एक प्लान था, लेकिन उसे लगने नहीं दिया गया। सरकार ने गैस नहीं दी।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मुलायम जी, मैं आपसे पहले भी कह चुका हूं कि आप सीधे प्रश्न पूछिए। बिजली की जरूरत है, यह ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इतना महत्वपूर्ण सवाल है और हम आपसे केवल पांच मिनट ही तो मांग रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो बयान दिया है, उसमें दुर्भाग्य की बात यह है कि 12 सौ करोड़ रूपये अतिरिक्त एनटीपीसी को देने होंगे। इससे एनटीपीसी को घाटा होगा।

उपाध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप तो बहुत पुराने सदस्य हैं और इस बात को जानते हैं कि मंत्री जी के बयान पर चर्चा नहीं होती है।

श्री मुलायम सिंह यादव : इसके बदले में एक उद्योगपति को तीस हजार से पचास हजार करोड़ रूपये का मुनाफा करवाया जाएगा। ... * इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि नेता सदन हमारी बात को मानें, यह मुद्दा शांत नहीं होगा। इस पर मंत्री जी से इस्तीफा लिया जाना चाहिए। मैं पेट्रोलियम मंत्री का इस्तीफा मांगता हूं। ...*...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : यदि नेता सदन नहीं मानते हैं तो इससे आपकी सरकार की बदनामी होगी। ..._*...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): What is this? यह उनकी वकालत कर रहे हैं...(व्यवधान)

---

* Not recorded

श्री मुलायम सिंह यादव : यह असत्य है। हमें भाइयों के झगड़े से कोई मतलब नहीं है। हमें बिजली चाहिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री बासुदेव आचार्य, आप 193 पर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : बासुदेव आचार्य जी, आप बोलिए। इनका रिकार्ड में नहीं जा रहा है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका समय समाप्त हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे दो मिनट नहीं, तीन मिनट दीजिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब और समय नहीं मिलेगा, आपका समय समाप्त हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

उपाध्यक्ष महोदय: मुलायम सिंह जी, आपका अब कुछ भी रिकार्ड में नहीं जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आचार्य जी, आप 193 पर बोलिए। सिर्फ आचार्य जी की बात ही रिकार्ड में जाएगी।

---

* Not recorded